अनुसूची 21– प्रपत्र संख्या – 1131

संपत्ति अबभार प्रमाण-पत्र

प्रमाण–पत्र . सं० 83 .... 191 आवेदन सं० 19

चूंकि श्री श्री कृष्णा कन्सट्रक्शन ने मेरे पास आवेदन किया है कि निम्नलिखित संपति के सम्बन्ध के निबन्धित सव्यवहारों और अबभारों का सविवरण प्रमाण–पत्र दिया जाय.

(आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें)

इसलिए मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपति को प्रभावित करने वाले संव्यवहारों और अबभारों के बारे में बही 1 में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों से ता० 2014 19 से ता० till date 19 तक तलाशी की गई और ऐसी तलाशी के बाद निम्न संव्यवहारों और अबभारों का पता चला है :–

[illegible]

क्रम संख्या	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारीख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दास्तावेज की प्रति के प्रति विदेन		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द सं०	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
मौजा	फुलवारीशरीफ		तौजी	खाता	खेसरा		रकबा	
थाना	35		5160	807	918 (P)		7000 sq ft	
जिला	पटना		5166	632	919 (P)			
					925 (P)			

(क) दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें।

(ख) 1. बंधक–पत्र की दशा में व्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। बशर्ते कि इनके बारे में ....

2. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें।

SHREE KRISHNA CONSTRUCTIONS

Upendra Rajan

PARTNER

मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त संव्यवहार और अभारों को छोड़, उक्त सम्पत्ति को प्रभावित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलाशी की और प्रमाण–पत्र तयार किया

(हस्ताक्षर) – कुन्दन कुमार

(पदनाम) –

तलाशी का सत्यापन और प्रमाण–पत्र की जाँच निम्न व्यक्तियों ने की

(हस्ताक्षर) –

(पदनाम)

कार्यालय अवर निबंधक, फुलवारी शरीफ, पटना

तारीख

मुहर

निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर

अवर निबंधक
फुलवारी शरीफ
पटना

टिप्पणी – इस प्रमाण–पत्र में जो संव्यवहार और अभार दिखाये गये है वे आवेदक द्वारा यथा प्रस्तुत संपत्ति विवरण के अनुसार पाये गये है; यदि आवेदक द्वारा दिये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं इन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजों में दिखाया गया हो तो वैसे दस्तावेजों से प्रभावित संव्यवहार (ट्रान्जेक्शन्स) इस प्रमाण–पत्र में शामिल न किये जायेंगे।

निबन्धन अधिनियम की धारा 57 के अधीन जो व्यक्ति बहियों और अनुक्रमणियों (इन्डेक्स) की प्रविष्टियाँ देखना चाहते हों अथवा उनका प्रतिलिपि लेना चाहते हों अथवा जिन्हें विनिर्दिष्ट संपत्तियों के अभारों के प्रमाण–पत्रों की जरूरत हो उन्हें तलाशी स्वयं करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर बहियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके सामने रख दी जायगी।

3. किन्तु चूंकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलाशी नहीं की है, इसलिए कार्यालय ने अपेक्षित तलाशी अपने भरसक सावधानी से की है। फिर भी, विभाग प्रमाण–पत्र में दिये गये तलाशी परिणाम की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

ख. ✓ और चूंकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलाशी स्वयं की है और चूंकि उसके द्वारा पाये गये संव्यवहारों और अभारों को सत्यापन के बाद प्रमाण–पत्र में दिया गया है। इसलिए आवेदक द्वारा न ढूंढे गये ऐसे संव्यवहारों और अभारों की छूट के लिए किसी भी तरह विभाग जिम्मेवार न होगा जिससे उक्त सम्पत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

ज्ञापांक 83 दिनांक 9.10.2020

प्रतिलिपि :- L.I.C Housing Finance Ltd. फ्रेजर रोड पटना

निबंधक

अवर निबंधक
फुलवारी शरीफ
पटना

SHREE KRISHNA CONSTRUCTIONS

अनुसूची 21–फारम सं0–113

संपत्ति अवभार प्रमाण–पत्र

उपलब्ध एवं तैयार रेकॉर्ड इंडेक्स-II के आधार पर

प्रमाण–पत्र संख्या ..... 20 ..... आवेदन सं0 149 20 20

चूँकि श्री Upendra Rajwani and Rohit Kumar Khemka

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निबंधित संव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण–पत्र दिया जाये।

(आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों में ता0 ..... 20 02 से ता0 30-01-2014 तक तलासी की गयी और ऐसी तलासी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला ..... चला है अत: अवभार मुक्त

क्र0सं0	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारिख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र0 निर्देश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Mauza—— Phulwari Sharif Thana No— 35 Khata No— 807 and 632 Plot No.— 918(P), 919(P), 925(P) Sub Plot No— E3/2 Tauzi No.— 5160 and 5166 Area of Plot— 7000 Sq.ft							

SHREE KRISHNA CONSTRUCTIONS

Upendra Rajwani

PARTNER

1. दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें ।

2. बंधक–पत्र की दिशा व्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें । बशर्ते की उनके बारे में उल्लेख हो।

3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें ।

मै यह प्रमाणित करता हूँ कि उपयुर्क्त संव्यवहारों और अवभारों को छोड़ उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण–पत्र तैयार किया :

(हस्ताक्षर): M. Husearlm UDC

(पदनाम):

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जाँच निम्न व्यक्ति ने की :

(हस्ताक्षर): [signature] LDC

(पदनाम):

कार्यालयः Patna

तारीखः

मुहर एवं निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर
13.01.2020

टिप्पणी :– इस प्रमाण–पत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये है वे आवेदन द्वारा प्रस्तुति संपत्ति के अनुसार पाये गये है। यदि आवेदक द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेंजों में दिखया गया हो तो वैसी दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेकशनस) इस प्रमाण–पत्र में शामिल न किये जायेगें।

2. निबंधन अधिनियम की धारा–57 के अधीन जो व्यक्ति (बाहयों) और अनुक्रमाणियाँ (इन्डेन्स) की प्रवष्टियाँ देखना चाहते हों अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों जिन्हें निर्दिष्ट संपत्तियों के अवभारों के प्रमाण–पत्रों की जरूरत हो उन्हें तलासी स्वंय करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर वहियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके पास सामने रखदी जायेगी।

(क) किन्तु चूँकि वर्त्तमान मामले में आवेदक ने स्वंय तलासी नहीं की है, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूँकि वर्त्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की है, और चूँकि उसके बाद ढूँढे गये संव्यवहारों और अवभारों को सत्यापन के बाद प्रामण–पत्र में दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा ढूँढे गये ऐसे संव्यवहारों और अवभारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, अवर निबंधक........................

ज्ञाप संख्या 286 दिनांक 13.01.2020

आवेदक श्री Upendra Rajwani and Rohit kumar Khemka

का ऋणभार प्रमाण–पत्र द्वारा Manager, LIC Housing Finance Ltd., Patna.

का उनके पत्र संख्या LICHFL/A.O/Patna/LA! दिनांक 20/12/2019 के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।

निबंधन पदाधिकारी,
Patna
13.01.2020